

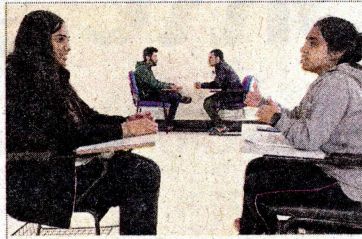
आईआईएम रांची की मुहिम • ह्यूमन लाइब्रेरी में अपने अनुभव साझा कर रहे हैं विद्यार्थी, दूर कर रहे स्ट्रेस

छात्रों में तनाव दूर करने को दूसरे संस्थानों में ह्यूमन कनेक्ट प्रोग्राम करेगा आईआईएम

सिटी रिपोर्टर | रांची

अलग-अलग राज्य की संस्कृति से रू-ब-रू हो रहे हैं विद्यार्थी

आईआईएम रांची की ओर से 'द ह्यूमन कनेक्ट' श्रृंखला की शुरुआत की गई है। जिसे छात्रों के मानसिक व भावनात्मक कल्याण को बढ़ावा देने के लिए काउंसिलिंग सेल और रेखी सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस फॉर द साइंस ऑफ़ हैपीनेस के सहयोग से शुरू किया गया है। इस सिरीज के तहत कई इवेंट का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें कलेक्टिव ड्रम सर्कल, ह्यूमन लाइब्रेरी, पौधारोपण, कलेक्टिव डांस, कलेक्टिव मेडिटेशन, रक्तदान शिविर जैसी कई गतिविधियां शामिल हैं। इसके तहत सात एपिसोड हो चुके हैं। आईआईएम रांची के डायरेक्टर दीपक कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि समाज में कठिन काम हो चुका है खुश रहना। लेकिन यह हमारे लिए बहुत आवश्यक है। इसलिए इस मुहिम की शुरुआत की गई है। दूसरे संस्थान भी छात्रहित के लिए इस मुहिम से जुड़ कर ह्यूमन कनेक्ट प्रोग्राम का आयोजन कर सकते हैं। इसके लिए आईआईएम रांची दूसरे संस्थानों को भी सहयोग करेगा। इस कार्यक्रम का संचालन प्रोफेसर तनुश्री दत्ता और प्रोफेसर गौरव मनोहर मराठे कर रहे हैं।



अपने अनुभव साझा करते विद्यार्थी



ह्यूमन कनेक्ट प्रोग्राम में भाग लेते आईआईएम के विद्यार्थी

छात्रों ने किया एनिमल वेलफेयर ट्रस्ट का दौरा

ह्यूमन कनेक्ट के तहत कलेक्टिव ड्रम सर्कल का आयोजन किया गया। जिसमें छात्र एक समूह में ड्रम बजा कर खुशी का इजहार करते हैं। अपना स्ट्रेस दूर करते हैं। ह्यूमन लाइब्रेरी के माध्यम से छात्र एक दूसरे से अपने अनुभव, कहानी साझा किया। जिससे अलग-अलग राज्य व

संस्कृति से आए छात्र एक दूसरे को और एक दूसरे की संस्कृति को समझते हैं। कलेक्टिव डांस में स्टूडेंट्स पॉपुलर डांस स्टेप पर एक साथ डांस करते हैं। पेट थैरेपी के तहत छात्र एनिमल वेलफेयर ट्रस्ट का दौरा किया। इसमें उन्होंने रेस्क्यू कर लाए गए पेट्स के साथ समय बिताया।

ह्यूमन कनेक्ट के तहत होने

वाले कार्यक्रम : इस सिरीज के तहत कई और इवेंट होने वाले हैं। जिसमें पौधारोपण कार्यक्रम, स्किप ए मील, ग्रामीण क्षेत्र का दौरा, मानसिक कल्याण सत्र, कलेक्टिव कैनवास पेंटिंग आदि शामिल है। स्किप ए मील में छात्र एक समय का खाना छोड़ेंगे, जिसे जरूरतमंदों के बीच बांटा जाएगा। इसके साथ ही छात्र रासाबेड़ा गांव के दौरा पर जाएंगे।